[हमारे अतीत भाग -3] 2 व्यापार से साम्राज्य तक कंपनी की सत्ता स्थापित होती है।

उत्तर :

(क) दीवानी=भूराजस्व वसूल करने का अधिकार

(ख) "शेर-ए-मैसूर" =टीपू सुल्तान

(ग) फ़ौजीदारी अदालत = फौजदारी अदालत

(घ) रानी चेन्नम्म = कित्तूर में अंग्रेज विरोधी आंदोलन नेतृत्व किया

(ङ) सिपाही = सिपॉय

(च) वॉरेन हेस्टिंग्स = भारत का पहला गवर्नर-जनरल

2. रिक्त स्थान भरें

(क) बंगाल पर अंग्रेजों की जीत **प्लासी** की जंग से शुरू हुई थी।

(ख) हैदर अली और टीपू सुल्तान **मैसुर** के शासक ये।

(ग) डलहौजी ने **विलय** का सिद्धान्त लागू किया।

(घ) मराठा रियासतें मुख्य रूप से भारत के **दक्षिण पश्चिमी** भाग में स्थित थी।

3. सही और गलत बताएँ

(क) मुगल साम्राज्य अठारहवीं सदी में मजबूत होता गया। **उत्तर:गलत**

(ख) इंग्लिश ईस्ट इंडिया कम्पनी भारत के साथ व्यापार करने वाली एकमात्र यूरोपीय कम्पनी थी। **उत्तर:गलत**

(ग) महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के राजा थे। **उत्तर:सही**

(घ) अंग्रेजों ने अपने कब्जे वाले इलाकों में कोई शासकीय बदलाव नहीं किए। **उत्तर:गलत**

4. यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों भारत की तरफ क्यों आकर्षित हो रही थी

उत्तर यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों के भारत की तरफ आकर्षित होने के निम्नलिखित कारण थे

1. यूरोपीय कम्पनियों ने भारत के साथ व्यापार में अपार संभावनाएँ देखी।

2. यूरोपीय देशों में भारत की अनेक वस्तुओं की भारी माँग थी, जैसे- कपास, रेशम, काली मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी इत्यादि।

3. वे भारत में कम कीमत पर सामानों को खरीदकर वापस यूरोप जाकर उन्हें ऊंची कीमतों पर बेच सकते थे। इन्हीं व्यापारिक संभावनाओं के कारण यूरोपीय कम्पनियाँ भारत की ओर आकर्षित हो रही थीं।

5. बंगाल के नवाबों और ईस्ट इंडिया कम्पनी के बीच किन बातों पर विवाद था?

उत्तर बंगाल के नवाबों और कम्पनी के बीच विवाद के कारण

1. नवाबों ने कम्पनी को छूट देने से मना कर दिया

2. नवाबों ने कंम्पनी को व्यापारिक अधिकार देने के बदले कम्पनी से नजराने की माँग की।

3. नवाबों ने कंपनी को सिक्का ढालने का अधिकार देने से भी मना कर दिया

4..नवाबों ने कम्पनी पर टैक्स (कर) अदा नहीं करने के साथ-साथ अपमानजनक पत्र लिखने का आरोप लगाया।

5. कम्पनी ने भी नवाबों पर निम्नलिखित आरोप लगाए कि नवाबों के स्थानीय अधिकारी कम्पनी के व्यापार को नष्ट कर रहे हैं, कम्पनी को किलाबंदी करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

6. दीवानी मिलने से ईस्ट इंडिया कम्पनी को किस तरह फायदा पहुंचा?

उत्तर दीवानी मिलने से कम्पनी को फायदा

1. दीवानी मिलने कारण कम्पनी को बंगाल के विशाल राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिल गया।

2. कम्पनी भारत ज्यादातर वस्तुएँ ब्रिटेन से लाए गए सोने-चाँदी के बदले खरीदती थी, लेकिन अब उसे ब्रिटेन से सोना-चाँदी लाने की आवश्यकता ही नहीं रही।

3. अब कम्पनी भारत से होने वाले लाभ से अपने खर्च चला सकती थी, जैसे-सूती रेशमी कपड़ा खरीदना, अपनी सेना के खर्चे की पूर्ति करना और कलकता में किले और दफ्तरों के निर्माण का खर्चा उठाना इत्यादि।

7. ईस्ट इंडिया कम्पनी टीपू सुल्तान को खतरा क्यों मानती थी

उत्तर: टीपू सुल्तान को कम्पनी द्वारा खतरा मानने के कारण

1. मालाबार तट पर होने वाला व्यापार मैसूर रियासत के नियंत्रण में था जहाँ से कम्पनी काली मिर्च और इलायची खखरीदती थी। टीपू सुल्तान ने अपनी रियासत के बंदरगाहों से होने वाले निर्यात पर रोक लगा दी।

2. टीपू सुल्तान ने भारत में रहने वाले फ्रांसीसी व्यापारियों से घनिष्ठ संबंध स्थापित किए और उनकी मदद से अपनी सेना का आधुनिकीकरण किया।

8. "सब्सिडियरी एलायंस" (सहायक संधि) व्यवस्था की व्याख्या करें।

उत्तर सहायक संधि का अर्थ- गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने भारत में कम्पनी के शासन के विस्तार के उद्देश्य से सहायक संधि को अपनाया था। जो भी भारतीय शासक इस संधि की शर्तों को मानने के लिये तैयार हो जाता था कम्पनी उसकी सुरक्षा में पूर्ण सहयोग करने का वायदा करती थी।

सहायक संधि की शर्तें

1. भारतीय शासकों को अपनी स्वतंत्र सेना रखने की इजाजत नहीं होगी।

2. जिन शासकों की सुरक्षा का भार कम्पनी पर होगा वे इसके लिए कम्पनी को शुल्क प्रदान करेंगे शुल्क नहीं देने की स्थिति में कम्पनी दण्ड के रूप में शुल्क के बराबर राजस्व वाला क्षेत्र शासक से छीन लेगी।

3. शासक को अपने दरबार में एक अंग्रेज रेजीडेंट रखना होगा जो शासक की गतिविधियों पर नजर रखेगा।

9. कम्पनी का शासन भारतीय राजाओं के शासन से किस तरह अलग था

उत्तर भारतीय राजाओं के शासन और कम्पनी के शासन में अन्तर

1. भारतीय राजाओं ने अपने राज्य का प्रशासनिक तथा राजस्व विभाजन विभिन्न इकाइयों में कर रखा था। परन्तु वे इकाइयाँ ब्रिटिश प्रशासनिक एवं राजस्व इकाइयों की तरह प्रभावी नहीं थी। कम्पनी ने प्रेजिडेंसी के रूप में एक नई प्रशासनिक इकाई बनाई थी जिसका शासन गर्वनर के पास होता था।

2. कम्पनी द्वारा पुलिस तथा राजस्व व्यवस्था में काफी सुधार किया गया था जबकि भारतीय शासकों द्वारा पुलिस तथा राजस्व व्यवस्था को सुधारने के लिए किसी भी प्रकार का प्रयास नहीं किया गया।

3. भारतीय राजाओं के शासन में न्यायिक व्यवस्था प्रभावी नहीं थी। एक ही तरह की अदालत दीवानी तथा फौजदारी दोनों तरह के मुकदमों की सुनवाई करती थी, जबकि अंग्रेजों ने एक आधुनिक एवं विकसित ज्यायिक व्यवस्था स्थापित की थी प्रत्येक जिले में अलग-अलग दीवानी व फौजदारी अदालतें स्थापित की गई थी।

10. कम्पनी की सेना की संरचना में आए बदलावों का वर्णन करें।

उत्तर: कम्पनी की सेना में आए संरचनात्मक बदलाव

1. कम्पनी ने पैदल और घुड़सवार सिपाहियों की जगह पेशेवर सैनिकों की भर्ती की।

2. कम्पनी ने सैनिकों को यूरोपीय शैली में नई युद्ध तकनीक से प्रशिक्षित किया।

3. कम्पनी ने अपने सैनिकों को आधुनिक हथियारों जैसे मस्केट तथा मैचलॉक आदि से लैस किया गया।

4. कम्पनी ने सेना में यूरोपीय सैनिकों की संख्या बढ़ा दी तथा सेना में महत्त्वपूर्ण सैनिकों को नियुक्त किया गया।

5. सेना में यह भावना जगाई कि उनका कोई धर्म जाति नहीं है, वह केवल सैनिक है ब्रिटिश साम्राज्य के प्रति वफादारी रखना उनका कर्तव्य है।

Notes prepared by Lekhram Chaudhary & Tejpal Sharma [Team GUPS 7DPN – Bhadra]

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here